Hindi Fonts By:
SINSEX

भाभी की प्यास बुझाई

मेरा नाम राज है। यह उस समय की बात है जब मैं २१ साल का था और बड़े भैया की शादी को सिर्फ़ ३ महीने ही हुए थे। घर पर केवल हम २ भाई ही थे। मेरे बड़े भैया एक प्राइवेट कम्पनी में काम करते हैं। उन्हें अक्सर कम्पनी के काम से कई दिनों के लिये बाहर जाना पड़ता है। मैं उस समय एम. कॉम. में पढ़ रहा था। मेरी भाभी मुझे बहुत चाहती थी क्योंकि मैं ही उनका इकलौता देवर था और उम्र में वे मुझसे सिर्फ ५ साल ही बड़ी थी। भाभी मेरा बहुत खयाल रखती थी। भाभी बहुत ही सुंदर थी। उनके चेहरे पर हमेशा ही मुस्कान रहती थी। भाभी मुझे राजू कह कर बुलाती थी। मुझे भाभी की गोल–गोल चूचियाँ बहुत ही अच्छी लगती थी। मैं हमेशा ही उनकी चूचियों को देखता रहता था। यह बात भाभी को भी पता थी। वोह भी कभी–कभी मुझे अपनी चूचियों की झलक दिखाती रहती थी।

भैया शादी के बाद पहली–पहली बार बाहर जा रहे थे। भैया ने मुझसे कहा, *"घर पर ही रहा कर पढ़ाई करना। इधर–उधर घूमने मत जाना और अपनी भाभी का भी खयाल रखना।"* मैंने कहा, *"अच्छा भैया।"* उसके बाद वोह चले गये। रात के ८ बज रहे थे। भैया के बाहर जने के बाद मैं और भाभी ही घर पर रहा गये। भैया के जाने के बाद भाभी थोड़ी देर के लिये उदास हो गयीं। मैंने मज़ाक करते हुए कहा, *"क्यों उदास होती हो भाभी, मैं हूँ ना।"* उन्होंने मेरे गाल पर चपत लगाते हुए कहा, *"मैं तो भूल ही गयी थी।"* भाभी के साथ ही साथ मैंने रात का खाना खाया। खाना खाने के बाद मैंने अपने सारे कपड़े उतार दिये और लुँगी पहन ली क्यों कि मैं केवल लुँगी ही पहन कर सोता था। उसके बाद मैं अपने रूम में सोने के लिये जाने लगा तो भाभी बोलीं, *"राजू, मेरी अकेले सोने की आदत नहीं है। जब तक तुम्हारे भैया वापस नहीं आ जाते तब तक तुम मेरे साथ ही सो जाया करना नहीं तो मुझे नींद नहीं आयेगी।"* मैंने कहा, *"अच्छा भाभी।"*

मैं भाभी के रूम में चला गया और बेड पर लेट गया। थोड़ी देर बाद भाभी दूध का ग्लास लेकर रूम में आयी। उन्होंने मुसकुराते हुए दूध का ग्लास मुझे दिया और कहा, *"राजू, दूध पी लो।"* मैंने कहा, *"तुम तो जानती हो कि मैं दूध नहीं पीता हूँ।"* वो बोलीं, *"तुम्हारे भैया तो पीते हैं। वो तो हैं नहीं इसलिए आज तुम ही पी लो। इससे तुम्हारे बदन में ताकत आ जायेगी।"* भाभी मुझ पर कुछ ज्यादा ही मेहरबान दिख रही थीं। मैंने दूध पी लिया। गरमी के दिन थे। भाभी ने अपनी साड़ी और ब्लाऊज़ को उतार

दिया। अब वो केवल ब्रा और पेटीकोट में ही थी। मैं भाभी की चूचियों को देखने लगा। मुझे बहुत अच्छा लग रहा था।

उसके बाद वो मेरे बगल में लेट गयीं। मैं उनसे कुछ दूरी पर था। एक पल के लिये मेरे मन में ख्याल आया कि मैं उनकी चुची को पकड़ लूँ। लेकिन मैंने अपने आप को काबू में कर लिया। थोड़ी देर बाद वो बोलीं, *"इतनी दूर क्यों सोये हुए हो। पास आओ ना।"* मैं थोड़ा सा उनकी तरफ़ सरक गया लेकिन फिर भी मैं उनसे दूर था। वो बोलीं, *"शरमा क्यों रहे हो।"* इतना कहा कर उन्होंने मुझे अपनी तरफ़ खींच लिया। अब उनका बदन मेरे बदन से सट गया। थोड़ी देर बाद वोह बोलीं, *"राजू, ज़रा मेरी पीठ खुजा दोगे?"* मैंने कहा, *"क्यों नहीं।"* उसके बाद भाभी ने अपनी पीठ मेरी तरफ़ कर दी।

मैं शरमाते हुए भाभी की पीठ खुजाने लगा। उनके गोरे और कोमल बदन का स्पर्श पाते ही मुझे भी जोश आने लगा। मेरा लंड लूँगी के अंदर ही टाइट होने लगा। भाभी की पीठ खुजाते हुए मेरा हाथ बार-बार उनकी ब्रा में फँस जा रहा था। भाभी बोलीं, *"ठीक से खुजाओ ना।"* मैंने कहा, *"मेरा हाथ ब्रा में बार-बार फँस जा रहा है।"* वो बोलीं, *"तो ब्रा का हुक खोल दो ना।"* मैंने भाभी की ब्रा का हुक खोल दिया और उनकी पीठ खुजाने लगा। मैं भाभी की पीठ खुजाता रहा तो कुछ ही देर में मेरा लंड एक दम टाइट हो गया। कुछ देर बाद भाभी ने करवट बदली। अब उनका चेहरा मेरी तरफ था। मैं चित्त लेटा हुआ था। मेरी लूँगी किसी टैंट की तरह से उठा गयी थी। भाभी ने मेरे लंड की तरफ इशारा करते हुए कहा, *"ये क्या है?"* मैंने कहा, *"वही जो सबके पास होता है।"* वो बोलीं, *"तुम्हारा तो बहुत बड़ा लग रहा है।"* मैंने थोड़ा शरमाते हुए कहा, *"हाँ, मेरा कुछ ज्यादा ही बड़ा है।"* वो बोलीं, *"मैं देख लूँ इसे।"* मैं कुछ नहीं बोला।

भाभी ने अपना हाथ बढ़ा कर मेरे लंड को पकड़ लिया। थोड़ी देर तक मेरे लंड को टटोलने के बाद वो बोलीं, *"कहाँ छिपा रखा था इसे?"* मैंने कहा, *"मैंने कहाँ छिपा रखा था।"* वो बोलीं, *"मैं तो आज पहली बार इसे देख रही हूँ।"* इतना कहा कर उन्होंने मेरी लूँगी हटा दी। अब मेरा ९ इन्च लम्बा लंड उनके सामने था। वो बोलीं, *"बाप रे! इतना बड़ा लंड।"* इतना कहने के बाद वो मेरे लंड को सहलने लगी और बोलीं, *"तुम्हारी कोई गर्लफ्रैंड है।"* मैंने कहा, नहीं। वो बोलीं, *"तुमने कभी किसी लड़की के साथ किया है।"* मैंने कहा, नहीं। वो बोलीं, *"इतना अच्छा लंड होते हुए भी तुमने आज तक इसका इस्तमाल नहीं किया? तुम्हारा मन नहीं करता?"* मैंने कहा, *"करता तो है।"* वो बोलीं, *"आज तुम इसका इस्तमाल मेरे साथ कर लो। मुझे कोई एतराज नहीं है।"*

Hindi Fonts By:
SINSEX

इतना कहने के बाद उन्होंने मेरा हाथ अपनी चूंची पर रख दिया और बोलीं, *मसलो इसे।* मैंने शरमाते हुए भाभी की चूंची को दबाना शूरू कर दिया। मुझे चूंची दबाने में मज़ा आने लगा। २ मिनट बाद ही भाभी ने ब्रा को उतार दिया और मेरा हाथ अपनी नंगी चूंची पर रख दिया और बोलीं, *ठीक से दबाओ और मसलो इसे।* भाभी की नंगी चूंची का स्पर्श पाते ही मेरे सारे बदन में सनसनी सी दौड़ गयी। ज़िंदगी में आज पहली बार मैं किसी औरत की चूंची को टच कर रहा था। भाभी मेरे लंड को सहला रही थी। मैं भाभी कि चूंची को मसल रहा था। भाभी बोलीं, *तुम तो अनाड़ी हो, तुम्हें ठीक से मसलना भी नहीं आता। ज़रा जोर-जोर से मसलो ना।* मैंने उनकी चूंची को जोर-जोर से मसलना शूरू कर दिया। मुझे मज़ा आ रहा था। भाभी को भी मुझसे अपनी चूंची मसलवाने में मज़ा आ रहा था।

थोड़ी देर बाद वो उठा कर बैठ गयी। उन्होंने मेरे लंड को फिर से पकड़ लिया और सहलाने लगीं। मेरे लंड का सुपाड़ा बहुत ही मोटा था। जब उन्होंने मेरे लंड का सुपाड़ा देखा तो बोलीं, *बाप रे बाप, मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि तुम्हारा लंड इतना लम्बा और मोटा होगा। तुम्हारे लंड का सुपाड़ा तो और भी ज्यादा मोटा है।* इतना कहने के बाद भाभी बोलीं, *मैं इसे अपने मुँह में ले लूँ?* मैं कुछ नहीं बोला। भाभी अपनी जीभ मेरे लंड के सुपाड़े पर फिराने लगीं। मेरे सारे बदन में सनसनी सी होने लगी। थोड़ी ही देर में उन्होंने मेरे लंड के सुपाड़े को मुँह में ले लिया और उसे लॉलीपॉप की तरह से चूसने लगीं। मेरे सारे बदन में आग सी लगने लगी। मैं आहें भरने लगा। २ मिनट बाद ही उन्होंने मेरा लंड अपने मुँह से बाहर निकाल दिया और बोलीं, *आज मैं तुम्हें इसका इस्तमाल करना सिखाऊँगी, सीखोगे?* मैंने कहा, *हाँ, क्यों नहीं सीखूँगा।*

इतना कहने के बाद भाभी लेट गयी। उन्होंने कहा, अब तुम मेरी चूंची को मुँह में लेकर बारी-बारी से चूसो। मैंने उनकी चूंची को अपने मुँह में ले लिया और चूसने लगा और भाभी मेरा लंड सहलाती रहीं। मैं बारी बारी से उनकी दोनों चूचियों को तेजी के साथ चूसता रहा और वो मेरा लंड सहलाते हुए मुँह से *ओह्ह आह* और *सी सी* की आवाज़ें निकलती रहीं। बहुत देर तक ऐसा ही चलता रहा। थोड़ी देर बाद वो बोलीं, *ऐसे पूरा मज़ा नहीं आयेगा। पहले हम दोनों अपने सारे कपड़े उतार देते हैं।* मैंने अपनी लूँगी खोल दी और भाभी ने अपनी ब्रा और पेटीकोट को उतार दिया। अब हम दोनों एक दम नंगे हो चुके थे। उसके बाद भाभी ने मेरे लंड का सुपाड़ा अपने मुँह में लिया और तेजी के साथ चूसने लगी। थोड़ी ही देर में जोश के मारे मेरे सारे बदन में अकड़न सी होने

Hindi Fonts By: SINSEX

लगी। मैंने भाभी से कहा, *मुझे कुछ हो रहा है। बताओ न ये क्या है।* वो बोलीं, *कुछ नहीं मेरे राजा, बस तुम्हारे लंड से अभी जूस निकलने वाला है। तुम इसे मेरे मुँह में ही निकल जाने देना।* इतना कहा कर वो और ज्यादा तेजी के साथ मेरे लंड को चूसने लगी। मेरा सार बदन और ज्यादा अकड़ने लगा।

थोड़ी ही देर में मेरे लंड से बहुत तेजी के साथ जूस निकलने लगा तो भाभी ने सारा का सारा जूस निगल लिया। उसके बाद वो बोलीं, *अब तो ठीक हो ना।* मैंने कहा, *हाँ, अब मेरे बदन की अकड़न खतम हो गयी है।* वो बोलीं, *क्या पहले कभी तुम्हारे लंड से जूस नहीं निकला था?* मैंने कहा, *गहरी नींद में कभी-कभी निकाल जाता था लेकिन मुझे पता तब चलता था जब मैं सो कर उठा जाता था।*

भाभी बोलीं, *अब तुम मेरी चूत को चाटो। मेरी चूत से भी थोड़ी देर बाद ऐसा ही जूस निकलेगा। तुम मेरी तरह से उसे भी चाट लेना।* मैंने कहा, *ठीक है।* भाभी लेट गयी और उन्होंने अपनी टाँगें फैला दीं। मैं भाभी की चूत को देखता ही रहा गया। उनकी चूत एक दम गुलाबी थी और उस पर बाल नहीं थे। मैंने अपनी ज़िंदगी में आज तक किसी औरत की चूत नहीं देखी थी। भाभी बोलीं, *देख क्या रहे हो। अब चाटो इसे।* मैंने भाभी की चूत को चाटना शूरू कर दिया तो भाभी सिसकारियाँ भरने लगी। ५ मिनट के बाद उनकी चूत से भी जूस निकलने लगा। भाभी ने मेरा सिर पकड़ कर अपनी चूत पर दबा दिया। मैंने उनकी चूत का जूस चटना शूरू कर दिया। सार जूस चाट लेने के बाद मैं बैठ गया। मैंने भाभी से कहा, *मुझे आज लंड का इस्तमाल करने में बहुत मज़ा आया।* वो बोलीं, *तुम पागल हो। अभी तुमने अपने लंड का इस्तमाल कहां किया है। यह तो लंड के इस्तमाल करने से पहले का खेल था। असली इस्तमाल तो मैं तुम्हें अब सिखाऊँगी।* इतना कहा कर उन्होंने मेरे लंड को फिर से चूसना शूरू कर दिया।

५ मिनट में ही मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया। जब मेरा लंड खड़ा हो गया तो भाभी ने कहा, *अब मैं लेट जाती हूँ। तुम अपना लंड मेरी चूत में घुसाना शूरू कर दो। तुम्हारा लंड बहुत लम्बा और मोटा है। इसे बहुत धीरे-धीरे घुसाना, नहीं तो मुझे बहुत दर्द होगा।* मैंने कहा, *तुम्हारी चूत का छेद तो बहुत छोटा है। ईसमें मेरा इतना लम्बा और मोटा लंड कैसे घुसेगा।* वो बोलीं, *तुम केवल देखते जाओ। तुम्हारा पूरा का पूरा लंड मेरी चूत में घुस जायेगा। हाँ मैंने पहले कभी इतना लम्बा और मोटा लंड अंदर नहीं लिया है इस वजह से मुझे कुछ ज्यादा ही तक्लीफ़ होगी। लेकिन तुम इसकी चिंता मत करना। केवल अपना लंड अंदर घुसाते रहना जब तक कि तुम्हारा लंड पूरा का पूरा*

अंदर ना घुस जाये। अगर कोई दिक्कत आयेगी तो मैं हूँ ना तुम्हें रास्ता बताने के लिये।

Hindi Fonts By:
SINSEX

इतना कहने के बाद भाभी लेट गयीं। मैं उनकी टाँगों के बीच आ गया। मैंने अपने लंड का सुपाड़ा उनकी चूत के मुँह पर रख दिया। भाभी बोलीं, *अब जोर लगा कर अंदर घुसाने की कोशिश करो।* मैंने जैसे ही थोड़ा सा जोर लगाया तो भाभी ने जोर की सिसकारी ली। मैं रुक गया तो वो बोलीं, *रुको मत, घुसाते रहो।* मैंने जैसे ही थोड़ा सा जोर और लगाया तो उनके मुँह से जोर की चींख निकली। उनकी चींख सुनकर मैं डर गया और रुक गया। वो बोलीं, *तुम तो बड़े अनाड़ी हो, बार बार रुक क्यों जाते हो?* मैंने कहा, *तुम चींख रही थी इस लिये मैं डर गया था।* वो बोलीं, *मुझे चींखने दो। हो सकता है कि मेरी चूत से खून भी निकल आये। तुम अपना सारा ध्यान केवल लंड घुसाने में लगाओ। तुम अपना हाथ मेरी जाँघ के नीचे से डाल कर मेरे काँधे को जोर से पकड़ लो। फिर उसके बाद जोर लगा कर अपना पूरा लंड अंदर घुसा दो।*

मैंने भाभी की जाँघ के नीचे से हाथ डाल कर उनके काँधे को पकड़ लिया। उसके बाद मैं अपना लंड भाभी की चूत में घुसाने लगा। जैसे ही मैंने थोड़ा सा जोर लगाया तो भाभी बहुत जोर से चीखीं। इस चींख के साथ ही मेरा लंड उनकी चूत में ३ इन्च तक घुस गया। उनकी चींख सुनकर मुझे डर लगने लगा और मैं फिर से रुक गया तो भाभी मुझपर नाराज़ होने लगीं। वो बोलीं, *तुम तो बड़े बेवकूफ और अनाड़ी हो। मैं कह रही हूँ न कि रुको मत। ज़ोर लगा कर पूरा लंड अंदर घुसा दो। जोर लगाने से अगर ना घुसे तो पूरी ताकत के साथ जोर-जोर के धक्के लगा कर घुसा दो। अगर अब तुम पूरा लंड मेरी चूत में घुसाने के पहले रुके तो मैं तुमसे कभी बात नहीं करूँगी।* मैंने कहा, *ठीक है, जैसा तुम कहती हो मैं वैसा ही करूँगा।* मैंने पूरा जोर लगाते हुए भाभी की चूत में अपना लंड घुसाना शूरू किया। वो जोर-जोर से चींखने लगीं। मेरा लंड धीरे-धीरे भाभी की चूत में घुसता जा रहा था। जब मेरा लंड भाभी की चूत में ५ इन्च तक घुस गया तो उनकी चूत से खून निकलने लगा। मैं थोड़ा डर गया लेकिन रुका नहीं।

मेरा लंड अब भाभी की चूत में आसानी से अंदर नहीं जा रहा था। मैंने पूरी ताकत के साथ एक जोर का धक्का लगाया तो भाभी बहुत जोर-जोर से चींखने लगीं। इस धक्के के साथ मेरा लंड भाभी की चूत को चीरता हुआ ६ इन्च तक घुस गया। वो बोलीं, *शाबाश! इसी तरह जोर-जोर के धक्के लगा कर अपना लंड अंदर घुसाते रहो।* मैंने जब ८-१० बहुत ही जोरदार धक्के लगा दिये तब कहीं जा कर मेरा पूरा का पूरा लंड भाभी की चूत में घुस गया। इस दौरान भाभी बहुत जोर-जोर से चीखती रही। उनकी चूत से

ढेर सारा खून निकला और मेरा लंड खून से नहा गया। पूरा लंड अंदर घुस जाने के बाद भाभी ने कहा, अब तुम अपना पूरा लंड मेरी चूत में डाले हुए थोड़ी देर तक रुके रहो और मेरी चूचियों को चूसो। मैं थोड़ी देर तक रुका रहा और भाभी की चूचियों को चूसता रहा। थोड़ी देर बाद भाभी बोलीं, *अब अपना पूरा लंड बाहर खींचते हुए तेजी के साथ अंदर बाहर करो लेकिन ध्यान रखना जब तुम अपना लंड बाहर खींचना तो लंड का सुपाड़ा चूत के अंदर ही रहना चाहिये।* मैंने कहा, *ठीक है।*

मैंने पूरा लंड बाहर खींचते हुए धक्के लगाने शूरू कर दिये। भाभी जोर जोर से आहें भरने लगी। मैं धक्के लगाता रहा। मेरा लंड भाभी की चूत में आसानी से अंदर-बाहर नहीं हो रहा था। ५ मिनट में ही भाभी की चूत से जूस निकलने लगा। उसके बाद मेरा लंड कुछ आसानी के साथ अंदर बाहर होने लगा। मुझे भी खूब मज़ा आ रहा था। मैंने भाभी से कहा, *मुझे तो बहुत मज़ा आ रहा है।* वो बोलीं, *जितनी ज्यादा तेजी के साथ धक्के लगाओगे तुम्हें उतना ही ज्यादा मज़ा आयेगा। अब समझे कि लंड का असली इस्तमाल कैसे किया जता है। मैं तो तुम्हारे भैया से बहुत बार चुदवा चुकी हूँ तब तुम्हें इतनी मेहनत करनी पड़ी है। अगर तुम किसी कुँवारी लड़की को चोदोगे तो तुम्हें और ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। मेरी एक बात याद रखना, जब भी किसी की चूत में अपना लंड घुसाना तो ज़रा सा भी रहम मत करना चाहे वो कितना भी चीखे या चिल्लाये। नहीं तो वो फिर तुमसे दोबारा नहीं चुदवायेगी। एक बार जब तुम पूरा लंड घुसा कर चोद दोगे तो वो तुम्हारे लंड की दीवानी हो जायेगी और तुमसे बार-बार चुदवायेगी। मैं भी अब तुम्हारे लंड की दीवानी हो चुकी हूँ। अब जोर-जोर के धक्के लगाते हुए मेरी चुदाई करो।*

मैंने पूरी ताकत के साथ जोर-जोर के धक्के लगाते हुए भाभी की चुदाई शूरू कर दी। भाभी की जोश भरी सिसकारियाँ रूम में गूँज रही थी। वो अपने चूत्तड़ उठा-उठा कर मुझसे चुदवा रही थी। मुझे भी खूब मज़ा आ रहा था। ५ मिनट के बाद भाभी की चूत से फिर जूस निकलने लगा। मैंने भी अपनी स्पीड बहुत तेज कर दी थी। रूम में फच-फच और धप-धप की आवाज़ हो रही थी। १० मिनट की चुदाई के बाद मेरा बदन फिर से अकड़ने लगा तो मैं समझ गया कि अब मेरे लंड का जूस निकलने वाला है। मैंने अपनी स्पीड और बढ़ा दी और पूरी ताकत के साथ जोर जोर के धक्के लगाने लगा। भाभी ने भी अपने चूत्तड़ बहुत तेजी के साथ ऊपर उठाना शूरू कर दिये। मेरा लंड अब पूरा का पूरा भाभी कि चूत में सटा-सट अंदर बाहर हो रहा था। चप-चप की आवाज़ हो रही थी। भाभी जोश के मारे सिसकारियाँ भरते हुए *और तेज॥॥ और तेज॥॥* चिल्ला रही थीं। मैं भी *ओह्ह आह्ह* करते हुए पूरी ताकत के साथ उन्हें चोद रहा था। ५ मिनट

Hindi Fonts By:
SINSEX

में ही मेरे लंड का जूस निकलने लगा। मेरे साथ ही साथ भाभी की चूत ने भी अपना पानी फिर से छोड़ दिया। लंड का सारा जूस भाभी की चूत में निकाल देने के बाद मैं उनके ऊपर ही लेट गया। मेरा लंड अभी भी भाभी की चूत में ही था।

थोड़ी देर बाद भाभी बोलीं, *अब तुम मेरे ऊपर से हट जाओ। मुझे बाथरूम जाना है।* मैंने अपना लंड उनकी चूत से बाहर निकाला और हट गया। भाभी बोलीं, *अपनी भाभी की चूत कि हालत नहीं देखोगे। ज़रा देखो तो सही कि तुम्हारे लंड ने मेरी चूत की कैसी हालत कर दी है।* मैं भाभी की चूत को देखने लगा। उनकी चूत का मुँह खुल कर एक दम चौड़ा हो गया था। उस पर ढेर सारा जूस लगा हुआ था। उनकी जाँघ और बेड की चादर हम दोनों के जूस से एक दम भीग चुकी थी। वो बोलीं, *क्या मेरी चूत ऐसी ही थी।* मैंने कहा, *नहीं तो।* वो बोलीं, *तुम्हारे लंड से ही मेरी चूत की ऐसी हालत हुई है। आने दो तुम्हारे भैया को। मैं उन्हें अपनी चूत दिखा कर कहूँगी कि राजू ने अपने लंड से मेरी चूत की ऐसी हालत कर दी है।* मैं डर गया। मैंने कहा, *जोश में आकर गलती हो गयी। अब ऐसी गलती नहीं करूँगा। तुमने भी तो मुझे एक बार भी नहीं रोका।* वो बोलीं, *तुम्हारा लंड ही ऐसा था कि मैं अपने आप को रोक नहीं पायी और मैंने तुमसे चुदवा लिया।* मैंने कहा, *फिर तुम भैया से मेरी शिकायत क्यों कहोगी। इस में तुम्हारी भी तो गलती है।* वो बोलीं, *मैं तो तुम्हें डरा रही थी। मैं तो अब सारी ज़िंदगी तुमसे चुदवाऊँगी और खूब मज़ा लूँगी। मुझे बाथरूम से लौट आने दो। उसके बाद मैं तुमसे फिर से चुदवाऊँगी।*

भाभी बाथरूम जाने लगी। वो ठीक से चल नहीं पा रही थी। वो बोलीं, *देखा तुमने, तुमसे चुदवाने के बाद मैं ठीक से चल भी नहीं पा रही हूँ। अब मेरी चाल तुम्हें ही ठीक करनी पड़ेगी।* मैंने कहा, *वो कैसे?* वो बोलीं, *जब तुम मुझे ३-४ बार अच्छी तरह से चोद दोगे तो मैं ठीक से चलने फिरने लगूँगी।* भाभी बाथरूम चली गयी।

थोड़ी देर बाद जब वो बाथरूम से वापस आयी तो मेरा लंड फिर से खड़ा हो चुका था। जैसे ही उनकी निगाह मेरे लंड पर पड़ी तो वो बोलीं, *तुम्हारा लंड तो फिर से तैयार हो गया। अब मैं तुम्हें दूसरी स्टाइल बताऊँगी।* भाभी बेड पर डॉग-स्टाइल में हो गयी और बोलीं, *अब तुम पीछे से आ कर अपना लंड मेरी चूत में घुसा दो और मेरी चुदाई करो।* मैं भाभी के पीछे आ गया और अपना लंड उनकी चूत में घुसाना शूरू कर दिया। भाभी फिर से चीखने लगी लेकिन इस बार मैं रुका नहीं। पूरा लंड घुसाने के बाद मैंने उनकी चुदाई शूरू कर दी। थोड़ी देर के बाद भाभी को खूब मज़ा आने लगा और मुझे भी।

मैंने उनकी कमर को पकड़ कर बहुत ही जोर दार तरीके से धक्के लगाते हुए उनकी चुदाई की। उन्होंने भी अपने चूतड़ आगे पीछे करते हुए मेरा साथ दिया और पूरी मस्ती के साथ चुदवाया। वो इस बार मेरी चुदाई से बहुत खुश थीं। मैंने इस बार पूरे जोश के साथ लगभग ३० मिनट तक भाभी की चुदाई की। इस बार की चुदाई के दौरान भाभी ३ बार झड़ चुकी थीं।

Hindi Fonts By SINSEX

लगभग ४५ मिनट बाद मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया। मैंने भाभी को चोदना चाहा तो उन्होंने मना कर दिया। मैंने बहुत मिन्नतें की तो वो बोलीं, *तुम्हें तो मेरी चुदाई करने में खूब मज़ा आया और मुझे भी तुमसे चुदवाने में खूब मज़ा आया। लेकिन तुम शायद नहीं जानते कि मैं बहुत ही सैक्सी हूँ। मैं और ज्यादा बार चुदवाने का मज़ा लेना चाहती हूँ, लेकिन तुम अकेले ही मुझे इतनी बार नहीं चोद सकते। मैंने तुम्हें आज चूत का मज़ा दिया है इस लिये तुम्हें भी मेरी इच्छा का खयाल रखना पड़ेगा। मैं एक ही शर्त पर तुमसे चुदवा सकती हूँ।* मैंने पूछा, *कौन सी शर्त।* वो बोलीं, *तुम अपने किसी खास दोस्त को बुला लो लेकिन एक बात ध्यान में रखना कि उसका लंड भी तुम्हारे लंड जैसा खूब लम्बा और मोटा होना चाहिये जिससे मुझे चुदाई का पूरा मज़ा मिल सके। जब तुम दोनों मिलकर मेरी चुदाई करोगे तब मुझे खूब मज़ा आयेगा और मेरी चूत की प्यास बुझ जायेगी।* मैंने कहा, *ठीक है लेकिन मेरी भी एक शर्त है।* भाभी ने पूछा, *वो क्या।* मैंने कहा, *मैंने अभी तक किसी कुँवारी लड़की को नहीं चोदा है। तुम्हें मेरे लिये किसी कुँवारी लड़की का इंतज़ाम करना पड़ेगा।* भाभी सोच में पड़ गयी। थोड़ी देर बाद वो बोलीं, *ठीक है। मैं तुम्हारे लिये कुँवारी लड़की का इंतज़ाम कर दूँगी। अब तो खुश हो।* मैंने कहा, *हाँ, अब मैं खुश हूँ। मैं कल शिव को बुला लाऊँगा।* वो बोलीं, *तुम्हें उसके लंड के बारे में पता है ना।* मैंने कहा, *हाँ, हम कई दोस्त बचपन में एक दूसरे से अपना लंड मिलाते थे। उन सब में शिव का लंड ही सबसे ज्यादा लम्बा और मोटा था। मैं समझता हूँ कि अब उसका लंड कम से कम ११ इन्च लम्बा जरूर होगा।* भाभी बहुत खुश हो गयी और बोलीं, *तब तो खूब मज़ा आ जायेगा। तुम कल शिव को बुला लाना। अब तुम जी भर कर मेरी चुदाई करो।*

मैंने भाभी की चुदाई शूरू कर दी। उस रात मैंने भाभी को ५ बार चोदा। सुबह के ८ बजे भाभी ने कहा, *अब जा कर शिव को बुला लाओ। मैं आज सारा दिन चुदाई का खूब मज़ा लेना चाहती हूँ।* मैंने कहा, *शाम को बुला लूँगा।* वो बोलीं, *अगर वो रात में यहाँ रुकेगा तो पड़ोस के लोग शक करेंगे। इस लिये तुम शिव को दिन में ही बुला लाओ।* मैं शिव को बुलाने चला गया। ९ बजे मैं शिव को लेकर आ गया। भाभी बाथरूम

में थी। जब वो बाथरूम से बाहर आयी तो उन्होंने शिव को देखा। उन्होंने केवल एक टॉवल ही लपेट रखा था। शिव भाभी को देख कर मुस्कुराया तो भाभी भी उसे देख कर मुस्कुराने लगी। शिव को देख कर भाभी जोश में आ गयी और बोलीं, *मेरी चूत में बहुत खुजली हो रही है। अब तुम दोनों देर मत करो। मैं आज सारा दिन तुम दोनों से खूब मज़ा लेना चाहती हूँ।* शिव बोला, *पहले मेरा लंड तो देख लो।* भाभी बोलीं, *तो दिखाओ ना।*

शिव ने अपने कपड़े उतारने शूरू कर दिये। जैसे ही भाभी ने शिव का लंड देखा तो बोलीं, *तुम्हारा लंड तो बहुत ही बड़ा है। मेरी तो चूत ही फट जायेगी।* शिव बोला, *राजू ने मुझे बताया था कि तुम्हें खूब लम्बा और मोटा लंड चाहिये। फिर तुम मेरे लंड को देख कर क्यों डर रही हो। तुम मेरा लंड अपनी चूत के अंदर जरूर ले लोगी। हाँ, तुम्हें तकलीफ़ बहुत होगी।* भाभी ने कहा, *मुझे तो बस मज़ा मिलना चाहिये। तुम जैसे भी हो अपना लंड मेरी चूत में घुसा दो।* शिव बोला, *मैं इसे बड़ी आसानी से तुम्हारी चूत में घुसा सकता हूँ।* भाभी ने पूछा, *वो कैसे?* शिव बोला, *बाथरूम में चलो, अभी बताता हूँ।*

हम सब बाथरूम में आ गये। शिव ने भाभी के बदन पर से टॉवेल खींच लिया तो भाभी एक दम नंगी हो गयी। उसके बाद शिव ने कहा, *अब तुम मेरा लंड मुँह में ले लो और चूसो।* भाभी ने शिव का लंड मुँह में ले लिया और चूसने लगी। थोड़ी ही देर में शिव का लंड एक दम टाइट हो गया तो भाभी बोलीं, *ये तो अब और ज्यादा खतरनाक हो गया है। मैं समझती हूँ कि तुम्हारा लंड ११ इन्च से कम लम्बा नहीं होगा।* शिव बोला, *तुम ठीक ही कहा रही हो। मेरा लंड ११ इन्च लम्बा ही है। अब तुम मेरे लंड पर ढेर सारा साबुन लगा दो।* भाभी ने शिव के लंड पर ढेर सारा साबुन लगा दिया। उसके बाद शिव ने भाभी से डॉगी स्टाइल में हो जाने को कहा। भाभी डॉगी स्टाइल में हो गयी। शिव ने ढेर सारा साबुन भाभी की चूत पर भी लगा दिया। उसके बाद वो बोला, *अब इस साबुन की वजह से मेरा लंड बड़ी आसानी से तुम्हारी चूत के अंदर घुस जायेगा। तकलीफ़ तुम्हें जरूर होगी और तुम्हें उस तकलीफ़ को बर्दाश्त करना पड़ेगा।* भाभी बोलीं, *मैं तकलीफ़ बर्दाश्त कर लूँगी। बस तुम अपना पूरा लंड मेरी चूत में घुसा दो।*

शिव ने अपने लंड का सुपाड़ा भाभी की चूत के मुँह पर रख दिया और मुझसे कहा, *राजू, अब तुम अपनी भाभी का मुँह जोर से दबा लो जिससे इनकी चीख किसी को सुनायी ना दे।* मैंने भाभी के मुँह को जोर से दबा लिया। शिव ने भी भाभी की कमर को जोर से पकड़ लिया। उसके बाद उसने पूरी ताकत के साथ एक जोर का धक्का मारा तो

बाथरूम में भूचाल आ गया। भाभी बहुत ही बुरी तरह से तड़पने लगी। मुँह दबा होने की वजह से उनके मुँह से केवल गूँ गूँ की आवाज़ ही निकल पायी। उनकी चूत से खून निकलने लगा। शिव ताकतवर था ही। उसके लंड पर और भाभी की चूत पर ढेर सारा साबुन भी लगा हुआ था। इस वजह से एक ही धक्के में उसका लंड भाभी की चूत को चीरता हुआ ५ इन्च तक घुस गया। उसने दूसरा धक्का लगाया तो भाभी और ज्यादा बूरी तरह से तड़पने लगी। मेरा हाथ उनके मुँह से हट गया और वो बहुत जोर जोर से चीखने लगी। इस धक्के के साथ शिव का लंड भाभी की चूत में ८ इन्च तक घुस गया। भाभी रोते हुए कहने लगी, *मेरी चूत फटी जा रही है। जल्दी से अपना लंड बाहर निकालो। मुझे तुमसे नहीं चुदवाना है।* मैंने भाभी से कहा, *तुम ही तो कहा रही थी कि औरत चाहे जितना चीखे और चिल्लाये पूरा का पूरा लंड घुसा कर ही दम लेना चाहिये नहीं तो वो बाद में पूरा लंड अंदर नहीं लेगी। फिर क्यों मना कर रही हो। अभी तो शिव का लंड केवल ८ इन्च ही घुसा है।*

तभी शिव ने तीसरा धक्का लगा दिया। भाभी बहुत ही बुरी तरह से चीखने लगी। उनका सारा बदन पसीने से नहा गया लेकिन शिव रुका नहीं। उसने पूरी ताकत के साथ बहुत ही जोरदार तरीके से २ धक्के और लगा दिये तो उसका पूरा का पूरा लंड भाभी की चूत में समा गया। भाभी जोर जोर से चीखने और चिल्लाने लगी। शिव बोला, *भाभी, अब घबराओ मत। अब मेरा पूरा लंड तुम्हारी चूत में घुस गया है। तुम थोड़ी देर तक मेरा लंड अपनी चूत के अंदर ही डाले रहो। कुछ ही देर में तुम्हारा दर्द कम हो जायेगा।* शिव ने अपना लंड थोड़ी देर तक भाभी की चूत के अंदर ही रखा। मैंने भाभी की चूचियों को मसलना शूरू कर दिया। थोड़ी देर के बाद भाभी शाँत हो गयी तो शिव ने अपना लंड भाभी की चूत से बाहर खींच लिया और फिर एक ही धक्के में वापस पूरा का पूरा लंड भाभी की चूत के अंदर कर दिया। भाभी फिर से चीखीं लेकिन शिव रुका नहीं। उसने ऐसा ७-८ बार किया। उसके बाद उसने अपना लंड भाभी की चूत से बाहर निकाल लिया और कहा, *अब तुम नहा लो। उसके बाद मैं तुम्हारी चुदाई करूँगा क्यों कि साबुन की वजह से चुदाई में मज़ा नहीं आयेगा।*

भाभी खड़ी नहीं हो पा रही थी। उन्होंने बैठे हुए ही अपनी चूत को साबुन लगा कर साफ़ किया और नहाया। शिव ने अपना लंड भाभी की तरफ़ कर दिया तो भाभी ने उसके लंड को भी साबुन से साफ़ कर दिया। उसके बाद हम बाहर आने लगे। भाभी बड़ी मुशकिल से खड़ी हुई लेकिन वो चलने फिरने के काबिल भी नहीं थी। शिव उन्हें गोद में उठा कर बेडरूम में ले आया। बेडरूम में शिव ने भाभी को बेड पर लिटा दिया।

Hindi Fonts By SINSEX

HindiFontsBy: SINGEX

भाभी बोलीं, *तुम्हारा लंड अपनी चूत के अंदर लेने के बाद मैं चलने फिरने के काबिल नहीं रहा गयी हूँ। अब तुम मेरी चुदाई शूरू कर दो। जिससे मेरी चूत का मुँह पूरी तरह से खुल जाये। जब तुम मुझे २-३ बार चोद दोगे तो मैं चलने फिरने के काबिल हो जाऊँगी।* शिव बोला, *तुम पहले एक बार राजू से चुदवा लो। जब तुम्हारी चूत गीली हो जायेगी तब मैं तुम्हारी चुदाई करूँगा।* भाभी बोलीं, *जैसा तुम ठीक समझो वैसा करो।*

मैंने भाभी की चुदाई शूरू कर दी। शिव ने अपना लंड भाभी के मुँह के पास कर दिया। भाभी के मुँह में शिव का लंड घुस ही नहीं रहा था। बड़ी मुशकिल से उन्होंने थोड़ा सा लंड अपने मुँह के अंदर डाला और बड़े प्यर के साथ चूसने लगी। शिव उनकी चूचियों को मसलने लगा। भाभी शिव का लंड चूस रही थी और मैं उन्हें चोद रहा था। लग्भग ३० मिनट की चुदाई के बाद मैं झड़ गया। इस दौरान भाभी भी २ बार झड़ चुकी थी। मेरे लंड के जूस से उनकी चूत एक दम गीली हो गयी थी। लंड का सारा जूस निकाल देने के बाद मैं हट गया। मेरे हट जाने के बाद शिव भाभी के पैरों के बीच आ गया। उसने भाभी के पैरों को मोड़ कर उनके काँधे के पास सटा कर दबा दिया जिससे भाभी की चूत एक दम ऊपर उठा गयी। उसके बाद शिव ने अपने लंड का सुपाड़ा भाभी की चूत के मुँह पर रखा और पूरी ताकत के साथ एक बहुत ही जोर का धक्का लगा दिया। चूत गीली होने की वजह से एक ही धक्के में शिव का लंड भाभी की चूत में ३ इन्च तक घुस गया। भाभी के मुँह से जोर की चीख निकली। शिव ने दूसरा धक्का लगाया तो भाभी और ज्यादा तेजी के साथ चीखने लगी। दूसरे धक्के के साथ ही शिव का लंड भाभी की चूत में और ज्यादा गहराई तक घुस गया।

भाभी जोर जोर से चीखती रही और शिव धक्के पर धक्के लगा कर अपना लंड उनकी चूत में घुसाये जा रहा था। भाभी की आँखों में आँसू भी आ गये। उनका सारा बदन पसीने से लथ-पथ हो गया। भाभी ने शिव से कहा, *शिव, थोड़ा रुक जाओ, बहुत दर्द हो रहा है।* शिव बोला, *बस भाभी, थोड़ा सा सब्र और करो। अब तो थोड़ा सा ही बाकी है। मैं अभी बकी का लंड भी घुसा देता हूँ।* भाभी बोलीं, *कितना बाकी है।* शिव बोला, *बस केवल ४ इन्च और बाकी है।* शिव जोर जोर के धक्के लगाते हुए अपना लंड भाभी की चूत में घुसाने लगा और भाभी चीखती रही। ५-६ धक्के के बाद शिव का पूरा का पूरा लंड भाभी की चूत में समा गया। पूरा लंड घुसा देने के बाद शिव ने भाभी की चुदाई शूरू कर दी।

५ मिनट तक तो भाभी चींखती रही लेकिन उसके बाद धीरे धीरे शाँत हो गयी। थोड़ी

Hindi Fonts By SiNSEX

देर बाद उन्हें मज़ा भी आने लगा। जब शिव ने भाभी की ५ मिनट तक चुदाई की तो वो झड़ गयीं। उसके बाद शिव का लंड थोड़ा आसानी से भाभी की चूत में अंदर बाहर होने लगा। भाभी को अब और ज्यादा मज़ा आने लगा था। वो अपने चूत्तड़ उठा-उठा कर शिव से चुदवा रही थीं। शिव भी बहुत ही बुरी तरह से भाभी को चोद रहा था। ५ मिनट की चुदाई के बाद जब भाभी फिर से झड़ गयीं तो वो *और तेज... और तेज...* कहते हुए शिव से चुदवाने लगीं। शिव भी पूरे जोश के साथ भाभी को चोदने लगा।

तभी कॉल-बेल बजि। भाभी चौंक कर बोली, *राजू, ज़रा देखो तो कौन है। कहीं तुम्हारे भैया तो नहीं आ गये नहीं तो कयामत आ जायेगी। तुम बेडरूम का डोर लॉक कर दो। अगर तुम्हारे भैया होंगे तो कहा देना कि मैं बाहर गयी हूँ और बेडरूम को मैंने ही लॉक किया है।* मैंने कहा, *ठीक है, मैं देखता हूँ।* मैंने बेडरूम का डोर लॉक कर दिया। अंदर शिव भाभी की चुदाई कर रहा था। मैंने दरवाज़ा खोला तो दरवाज़े पर सिम्मी थी। सिम्मी भाभी की छोटी बहन थी। उसकी उम्र १९ साल की थी और वो अभी तक कुँवारी थी। वो बहुत ही खूबसूरत थी। सिम्मी मुस्कुराते हुए बोली, *हैलो राजू, कैसे हो।* मैंने कहा, *ठीक ही हूँ।* वो बोली, *दीदी कहाँ है।* मैंने उससे झूठ बोला और कहा, *थोड़ी देर के लिये बाहर गयी हैं, अभी आ जयेंगी। तुम अंदर आ जाओ।* सिम्मी अंदर आ गयी। मैंने उसे सोफ़े पर बिठाया। मैं मन ही मन सोचने लगा कि मैंने तो सिम्मी से झूठ बोल दिया। अगर कहीं भाभी की आवाज़ उसे सुनायी पड़ गयी तो मैं सिम्मी को क्या जवाब दूँगा। उसके बाद सिम्मी सब कुछ अपनी आँखों से देख लेगी फिर क्या होगा। वो सब कुछ जान जायेगी।

ड्राईंग रूम से धप-धप की आवाज़ सुनाई दे रही थी। सिम्मी बोली, *ये कैसी आवाज़ है।* मैंने कहा, *पड़ोसी के यहाँ कुछ काम हो रहा है। ये उसी की आवाज़ है।* तभी भाभी की *और तेज, और तेज, जोर जोर के धक्के लगाओ शिव,* की आवाज़ सुनाई पड़ी। सिम्मी चौंक कर बोली, *ये कैसी आवाज़ है।* मैंने कहा, *कुछ तो नहीं है।* वो बोली, *नहीं, ये तो दीदी की आवाज़ लग रही है। कहाँ है दीदी, सच-सच बताओ।* अब मैं क्या करता। मैंने कह दिया, *भाभी बेडरूम में है।* सिम्मी बेडरूम के पास गयी और बेडरूम का दरवाज़ा खोलने लगी। बेडरूम का दरवाज़ा तो मैंने लॉक कर दिया था। वो बोली, *राजू, खोलो इसे।* मैंने दरवाज़ा खोल दिया।

अंदर का नज़ारा देखते ही सिम्मी सन्न रहा गयी। वो एक दम बुत्त बन गयी। शिव पूरे जोश के साथ भाभी को चोद रहा था। भाभी चूत्तड़ उठा-उठा कर शिव से चुदवा रही

थी। शिव का ११" लंबा और खूब मोटा लंड भाभी की चूत में सटा–सट अंदर बाहर हो रहा था। वो दोनों चुदाई में इतने मस्त थे कि उन्हें पता ही नहीं चला कि दरवाज़े पर कोई खड़ा है। सिम्मी कभी मुझे और कभी अपनी दीदी को देखने लगी। मैं भी बेबस निगाहों से सिम्मी को देख रहा था। कुछ देर बाद मैंने सिम्मी का हाथ पकड़ा और उसे बाहर ले आया। सिम्मी कुछ नहीं बोली और चुप–चाप मेरे साथ ड्राईंग रूम में आ गयी। हम दोनों एक दम चुप–चाप बैठे रहे। थोड़ी देर बाद मैंने सिम्मी को कोल्ड ड्रिंक ला कर दी। सिम्मी चुप–चाप कोल्ड ड्रिंक पीने लगी। कोल्ड ड्रिंक खतम करने के बाद वो बोली, *अंदर कौन था।* मैंने कहा, *वो मेरा दोस्त शिव है।* मैं सिम्मी को सारी कहानी बताने लगा। वो चुप–चाप बैठ कर सारी कहानी ध्यान से सुनती रही। उसकी आँखों में भी जोश की झलक साफ़ दिख रही थी। वो बोली, *चलो देखते हैं कि उनका काम खतम हुआ या नहीं।* मैंने कहा, *चलो।* हम दोनों बेडरूम के दरवाज़े पर आ गये। अंदर देखा तो शिव भाभी की चुदाई कर चुका था और अपना लंड भाभी की चूत में ही डाले हुए भाभी के ऊपर लेटा हुआ था। भाभी उसकी पीठ को सहला रही थी और वो भाभी को चूम रहा था।

सिम्मी बोली, *दीदी, ये क्या कर रही हो। तुम्हें शरम नहीं आती।* सिम्मी की आवाज़ सुन कर वो दोनों चौंका पड़े। शिव ने जल्दी से अपना लंड भाभी की चूत से बाहर निकाला और हट गया। रूम में कोई कपड़ा भी नहीं था इस लिए शिव चुप–चाप नंगा ही खड़ा रहा। भाभी ने जैसे ही उठने की कोशिश की तो उनके मुँह से जोर की चीख निकली और वो करहाते हुए लेट गयी। सिम्मी भाभी के बगल में जा कर बैठ गयी और बोली, *दीदी, तुम ये क्या कर रही थी। तुम्हें शरम नहीं आती। जीजू को पता चलेगा तो वो क्या कहेंगे।* भाभी बोली, *कैसी शरम सिम्मी। मैंने भी तुम्हारी तरह शादी के पहले कभी किसी से नहीं चुदवाया था। शादी के बाद जब तुम्हारे जीजू ने मुझे चोदा तो मुझे बहुत मज़ा आया। लेकिन उनका लंड छोटा था और वो जल्दी से झड़ जाते थे। मुझे इस बात की कमी हमेशा महसूस होती रही कि काश उनका लंड थोड़ा लंबा और मोटा होता तो मुझे चुदवाने में और ज्यादा मज़ा आता। शादी के बाद कल जब वो बाहर चले गये तो मैंने राजू का लंड देखा। राजू का लंड खूब लंबा और मोटा था। मुझे राजू का लंड पसंद आ गया और मैंने राजू से चुदवा लिया। राजू से चुदवाने के बाद मुझे पता चला कि असली चुदाई क्या होती है। उसने मुझे बहुत ही अच्छी तरह से खूब जम कर चोदा। राजू से चुदवा कर मेरी भूख और ज्यादा बढ़ गयी। मैंने राजू से कहा तो वो अपने दोस्त शिव को ले आया। मैं अभी पहली बार ही शिव से चुदवा रही थी कि तुम आ गयी। मुझे शिव से चुदवाने में और ज्यादा मज़ा आया। तुम शिव का लंड देख ही*

Hindi Fonts By: SNSEX

रही हो। इसका लंड राज के लंड से भी बहुत ज्यादा लंबा और मोटा है इस लिए मुझे थोड़ी तकलीफ़ जरूर हुई। शिव से चुदवाने के बाद अब मेरी चूत कि खुजली कुछ हद तक शाँत हो गयी है। शिव का इतना लंबा और मोटा लंड अपनी चूत में लेने के बाद मैं उठने के काबिल भी नहीं हूँ। अभी जब ये मुझे ३-४ बार चोद देगा तो मेरी चूत का मुँह पूरी तरह से खुल जायेगा। उसके बाद मैं चलने फिरने के काबिल हो जाऊँगी। तुझे भी चुदाई का मज़ा ले लेना चाहिए।

सिम्मी की निगाहें शिव के लंड पर टिकी हुई थी। उसकी आँखें भी जोश से गुलाबी सी हो गयी थी। भाभी ने सिम्मी से कहा, *मैं कुछ कह रही हूँ।* वो बोली, *हाँ दीदी, तुम क्या कह रही थी।* भाभी बोली, *मैं कह रही थी कि तुझे भी चुदाई का मज़ा ले लेना चाहिए।* सिम्मी बोली, *नहीं मैं ऐसा नहीं कर सकती।* भाभी ने कहा, *कसम से चुदवाने में खूब मज़ा आता है। मेरी बात मान जा, एक बार तु भी चुदाई का मज़ा ले ले। उसके बाद तुझे खुद ही पता चल जायेगा कि चुदवाने में कितना मज़ा आता है।* सिम्मी कुछ नहीं बोली। भाभी ने मुझसे कहा, *राजू, तुम सिम्मी को अपने रूम में ले जाओ और इसे भी चुदाई का पूरा मज़ा दे दो।* सिम्मी ने बिना मन के कहा, *नहीं मैं नहीं जाऊँगी।* भाभी ने कहा, *शरमाओ मत, जाओ राजू के साथ। मैं किसी से कुछ भी नहीं कहूँगी।* सिम्मी कुछ नहीं बोली। मैंने सिम्मी का हाथ पकड़ा तो उसने अपना हाथ छुड़ाने की कोशिश नहीं की। मैं उसका हाथ पकड़ कर अपने रूम में ले जाने लगा तो उसने कोई विरोध नहीं किया और चुप-चाप मेरे साथ चल पड़ी। भाभी ने मुझसे कहा, *मेरी सिखायी हुई बातें याद है ना। कोई रहम मत करना।* मैंने कहा, *हाँ मैं जानता हूँ।*

मैं सिम्मी को ले कर अपने बेडरूम में आ गया। रूम में पहुँचते ही मैंने सिम्मी को अपने सीने से लगा लिया और उसके होठों को चूमने लगा। वो अपनी दीदी को देखने के बाद पहले से ही जोश में थी। उसने भी अपना हाथ मेरी पीठ पर फिराना शूरू कर दिया और मुझे चूमने लगी। थोड़ी देर बाद मैंने उसकी शर्ट को उतारना चाहा तो उसने अपना हाथ ऊपर कर दिया। मैंने उसकी शर्ट उतार दी। उसके बाद मैंने सिम्मी की जीन्स का हुक खोल दिया। हुक खोलने के बाद मैं सिम्मी के जीन्स को उतारने लगा। सिम्मी कुछ नहीं बोली। उसने अपने पैर एक एक करके ऊपर उठा लिये जिससे मैं आसानी से उसकी जीन्स को उतार सकूँ। मैंने उसकी जीन्स को उतार दिया। अब वो मेरे सामने केवल ब्रा और पैंटी में थी।

मैंने केवल टॉवल ही पहन रखा था। मैंने सिम्मी को अपनी बाहों में लेकर चूमना शूरू

कर दिया तो वो एक हाथ से मेरी पीठ को सहलाने लगी और दूसरे हाथ की उँगलियों को मेरे बालों में फिराने लगी। मैंने अपना टॉवल धीरे से खोल दिया तो मेरा ९" लंबा लंड बाहर आ गया। अब मेरा लंड सिम्मी की चूत के पास था। मैंने उसका हाथ पकड़ कर अपने लंड पर रख दिया। मेरा लंड तो पहले से ही खड़ा था। सिम्मी ने शरमाते हुए अपना हाथ हटा लिया। मैंने फिर से उसका हाथ पकड़ कर अपने लंड पर रखा तो इस बार उसने अपना हाथ नहीं हटाया। मैंने कहा, *सहलाओ।* उसने शरमाते हुए मेरे लंड को सहलाना शूरू कर दिया। उसके बूब्स अभी छोटे छोटे थे। मैं उसके होठों को चूमते हुए उसके बूब्स को दबाना शूरू किया तो वो आहें भरने लगी। तभी मैं सिम्मी की ब्रा का हुक खोल कर उतारने लगा। सिम्मी कुछ नहीं बोली। मैंने उसकी ब्रा को भी उतार दिया।

उसके बाद मैं उसे बेड के पास ले गया और उसे बेड के किनारे लिटा दिया। उसके पैर ज़मीन पर थे। मैं ज़मीन पर घुटनों के बल उसके पैरों के बीच बैठ गया। उसके बाद मैंने पैंटी के ऊपर से ही उसकी चूत को चूमन शूरू किया तो वो सिसकारियाँ भरने लगी। वो मेरा सिर पकड़ कर अपनी चूत पर दबाने लगी। मैंने पूछा, *पैंटी भी उतार दूँ।* वो कुछ नहीं बोली। मैंने कहा, *बोलो ना।* वो बोली, *उतार दो।* मैंने उसकी पैंटी भी उतार दी।

अब सिम्मी एक दम नंगी हो चुकी थी। उसकी गुलाबी चूत मेरे सामने थी। उसकी चूत पर एक भी बाल नहीं था। मैंने अपनी जीभ उसकी क्लिट पर फिरानी शूरू कर दी तो वो जोर–जोर की सिसकारियाँ भरने लगी। उसने मेरे सिर को जोर से पकड़ लिया और अपनी चूत पर दबाने लगी। मैंने भी तेजी के साथ अपनी जीभ उसकी क्लिट पर घुमानी शूरू कर दी। थोड़ी देर बाद मैंने अपनी एक उँगली उसकी चूत में डालने की कोशिश की तो मेरी उँगली बहुत थोड़ी सी ही उसकी चूत में घुस पायी। उसने एक जोर की आह ली। मैंने उसकी क्लिट पर अपनी जीभ फिराते हुए उसकी चूत में अपनी उँगली अंदर बाहर करनी शूरू कर दी। सिम्मी जोश में आ कर जोर–जोर कि सिसकारियाँ भर रही थी। थोड़ी ही देर में वो बहुत ज्यादा जोश में आ गयी। उसने मेरा सिर पकड़ कर अपनी चूत पर जोर जोर से दबाना शूरू कर दिया। फिर २ मिनट के बाद ही वो झड़ गयी। अब उसकी चूत एक दम गीली हो चुकी थी। मैंने अब ज्यादा देर करना ठीक नहीं समझा।

मैं उसके पैरों के बीच खड़ा हो गया। सिम्मी ने जैसे ही मेरा लंड देखा तो उसने अपनी आँखें बंद कर ली। मैंने कहा, *क्या हुआ।* उसने बहुत ही धीमी आवाज़ में कहा, *शरम*

आती है। मैंने कहा, *अब कैसी शरम। शरम करोगी तो मज़ा नहीं आयेगा। अपनी आँखें खोलो और मेरे लंड को अपने मुँह में ले लो।* वो कुछ नहीं बोली। मैंने फिर कहा, *अपनी आँखें खोलो।* वो बोली, *मैं ऐसे ही ठीक हूँ।* मैंने कहा, *चूसोगी नहीं* तो वो कुछ नहीं बोली। मैंने अपने लंड का सुपाड़ा उसके मुँह पर रख दिया तो उसने अपना मुँह दूसरी तरफ़ घुमा लिया। मैंने फिर से अपने लंड के सुपाड़े को उसके मुँह पर रखा तो इस बार उसने अपना मुँह नहीं हटाया। मैंने कहा, *चूसो ना इसे।* उसने शरमाते हुए कहा, *अभी नहीं, बाद में।* मैंने कहा, *कब।* वो बोली, *अगली बार।* मैंने ज्यादा जोर देना ठीक नहीं समझा और अपना लंड उसके मुँह के पास से हटा लिया।

सिम्मी के झड़ जाने के बाद उसकी चूत पहले से ही गीली हो चुकी थी। मैंने अपने लंड के सुपाड़े को उसकी क्लिट पर और उसकी चूत के बीच रगड़ना शूरू किया तो मेरे सारे बदन में सनसनी सी दौड़ गयी। सिम्मी ने अपनी जाँघों को एक दूसरे से सटा लिया और जोर की सिसकरी ली। मैंने उसकी जाँघों को फैला कर अपने लंड के सुपाड़े को रगड़ना जारी रखा तो ५ मिनट में ही सिम्मी की चूत ने फिर से पानी छोड़ दिया। अब उसकी चूत और ज्यादा गीली हो चुकी थी और मेरे लंड पर भी उसकी चूत का जूस लग गया था। अब किसी ऑयल या क्रीम की जरूरत नहीं थी। मैंने सिम्मी की जाँघों को दूर-दूर फैला दिया। उसके बाद मैंने अपने लंड के सुपाड़े को उसकी चूत के बीच रख कर थोड़ा सा जोर लगाया तो सिम्मी ने जोर की आह भरी। मैंने थोड़ा सा जोर और लगाया तो उसने कहा, *बहुत दर्द हो रहा है।* मैंने कहा, *पहली-पहली बार थोड़ा दर्द होता है। इसे बर्दाश्त कर लो उसके बाद खूब मज़ा आयेगा।* वो कुछ नहीं बोली। मैंने थोड़ा सा जोर और लगाया तो इस बार उसके मुँह से जोर की चीख निकल गयी। उसके पैर थर-थर काँपने लगे और उसके चेहरे पर पसीने कि बूँदें आ गयीं। उसने अपने होठों को जोर से जकड़ लिया।

मैंने थोड़ा सा जोर और लगाया तो इस बार वो दर्द के मारे तड़प उठी। उसने कहा, *राजू, अब रहने दो, बहुत दर्द हो रहा है, मैं मर जाऊँगी।* मैंने कहा, *थोड़ा सा सबर करो, सिम्मी। कुछ नहीं होगा तुम्हें। पहली-पहली बार दर्द तो होता ही है। तुमने शिव का लंड देखा था ना।* वो बोली, *हाँ, देखा तो था।* मैंने पूछा, *मेरा लंड उसके लंड से बड़ा है या छोटा।* वो बोली, *छोटा है।* मैंने कहा, *तुमने ये भी देखा था कि उसका लंड तुम्हारी दीदी की चूत में कैसे सटा-सट अंदर बाहर हो रहा था।* वो बोली, *हाँ, हो तो रहा था।* मैंने कहा, *फिर क्यों चिंता करती हो। अभी थोड़ी ही देर में मेरा पूरा का पूरा लंड भी तुम्हारी चूत में घुस जायेगा और सटा-सट अंदर बाहर होने लगेगा। बस थोड़ा सा दर्द बर्दाश्त*

कर लो। उसके बाद तुम्हें ऐसा मज़ा आयेगा कि तुम सारी ज़िंदगी याद करोगी। वो कुछ नहीं बोली।

Hindi Fonts By:

मुझे भाभी की सिखायी हुई बात याद आ गयी। मैंने सोचा ऐसे तो काम नहीं बनेगा। मुझे सिम्मी के साथ थोड़ी सी जबरदस्ती करनी पड़ेगी। आखिर सिम्मी अभी कुँवारी है और मेरा लंड आम आदमियों से ज्यादा लंबा और मोटा है। मैंने सिम्मी के पैरों को जोर से पकड़ लिया और पूरी ताकत लगाते हुए एक जोर का धक्का लगा दिया। सिम्मी तड़प उठी और जोर जोर से चीखने लगी। इस धक्के के साथ ही मेरा लंड उसकी चूत को चीरता हुआ ४ इन्च तक घुस गया। उसकी चूत से खून निकल आया। मैंने एक धक्का और लगाया तो सिम्मी और भी ज्यादा बुरी तरह से चीखने लगी। उसका सारा बदन पसीने से नहा गया। सिम्मी की हलत देख कर और उसकी चीख सुन कर मुझे उस पर दया आने लगी। मैंने उसके बाद धक्का नहीं लगाया। मेरा लंड अब तक सिम्मी की चूत में ५ इन्च तक घुस चुका था। मैं रुक गया।

थोड़ी देर बाद जब सिम्मी कुछ शाँत हो गयी तो मैंने धीरे धीरे उसकी चुदाई शूरू कर दी। सिम्मी को अभी भी दर्द हो रहा था और वो आहें भर रही थी। उसकी चूत ने मेरे लंड को बुरी तरह से जकड़ रखा था। मैं उसे धीरे–धीरे चोदता रहा तो कुछ देर बाद वो शाँत हो गयी। उसे भी अब कुछ कुछ मज़ा आने लगा था। मैंने अपनी स्पीड थोड़ी सी तेज कर दी। ५ मिनट की चुदाई के बाद सिम्मी की चूत से जूस निकलना शूरू हो गया। मैंने सोचा कि सिम्मी इस समय बहुत ही जोश में आ चुकी है। मुझे सिम्मी की चूत पर फिर से वार कर देना चाहिये। मैंने पूरी ताकत के साथ २ धक्के और लगा दिये। इन धक्कों के साथ ही मेरा लंड सिम्मी की चूत में ७ इन्च की गहरायी तक समा गया। सिम्मी जोर से चीखी लेकिन उसने कोई विरोध नहीं किया और ना ही मुझे रोका। मैं समझ गया कि उसे भी अब लंड का मज़ा मिल गया है। अब वो अपनी चूत में पूरा लंड लेने के लिये तैयार है। मैंने बहुत जोरदर तरीके से २ धक्के और लगा दिये। इस धक्के के साथ ही सिम्मी किसी मछली की तरह तड़पने लगी और मेरा पूरा का पूरा लंड सिम्मी की चूत के अंदर समा गया। वो रोते हुए कहने लगी। *राजू, अब रहने दो। बहुत दर्द हो रहा है। आगली बार पूरा घुसा देना।* मैंने कहा, *अब तो तुमने मेरा पूरा का पूरा लंड अपनी चूत में ले लिया है। अब तुम्हें केवल मज़ा ही मज़ा आयेगा।* वो बोली, *राजू, क्या तुम सही कह रहे हो।* मैंने कहा, *मैं बिल्कुल सही कह रहा हूँ। चाहो तो हाथ लगा कर देख लो।* सिम्मी ने अपने हाथों से मेरे लंड को और अपनी चूत को टटोल कर देखा और बोली, *अब तो दर्द नहीं होगा राजू।* मैंने कहा, *अभी जब मैं तेजी के साथ*

Hindi Fonts By:

धक्के लगाते हुए तुम्हारी चुदाई करूँगा तब थोड़ा सा दर्द और होगा। उसके बाद बस मज़ा ही मज़ा है।

SINSEX

मैंने सिम्मी कि चुदाई शूरू कर दी। सिम्मी दर्द के मारे आहें भरने लगी। थोड़ी देर की चुदाई के बाद जब वो शाँत हो गयी तो मैंने पुछा, *क्या अब भी दर्द हो रहा है।* वो बोली, *अब उतना दर्द नहीं है।* मैंने कहा, *बस अभी बाकी का दर्द भी गायब हो जायेगा।* इतना कहने के बाद मैंने अपनी स्पीड और तेज कर दी तो सिम्मी धीरे-धीरे सिसकारियाँ भरने लगी थी। मैं समझ गया कि अब उसे भी मज़ा आने लगा है। मैं उसे चोदता रहा।

थोड़ी देर की चुदाई के बाद वो फिर से झड़ गयी तो मैंने पूछा, *अब कैसा लग रहा है।* वो बोली, *अब मज़ा आ रहा है।* मैंने कहा, *और तेजी से धक्के लगाऊँ।* वो बोली, *हाँ लगाओ।* मैंने सिम्मी के बूब्स को मसलते हुए जोर-जोर के धक्के लगाने शूरू कर दिये। सिम्मी को अब चुदवाने में खूब मज़ा आ रहा था और वो अब पूरे जोश में आ चुकी थी। उसने धीरे से कहा, *राजू, थोड़ा और तेजी के साथ चोदो।* मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी।

तभी मैंने देखा कि दरवाज़े पर भाभी शिव के साथ आ कर खड़ी हो गयी। उन्होंने इशारे से मुझसे चुप रहने को कहा। मैं चुप रह गया। दरवाज़ा सिम्मी के सिर की तरफ़ था इसलिए सिम्मी उन दोनों को नहीं देख पायी। मैंने भाभी को दिखाने के लिये सिम्मी को और ज्यादा तेजी के साथ चोदना शूरू कर दिया। सिम्मी जोश में आ कर कहने लगी, *राजू, बहुत मज़ा आ रहा है। खूब जोर जोर से चोदो। फाड़ दो मेरी चूत को।* मैंने कहा, *अब तो मेरा लंड तुम्हारी चूत में सटा-सट अंदर बाहर हो रहा है ना।* वो बोली, *हाँ, हो रहा है। मैं भी अब दीदी की तरह पूरा लंड अंदर ले रही हूँ। मैं नहीं जानती थी कि चूत के अंदर लंड लेने में इतना मज़ा आता है। दीदी की किस्मत बहुत अच्छी है क्योंकि उन्हें शिव के खूब लम्बे और मोटे लंड से चुदवाने का मौका मिला। उन्हें तो और ज्यादा मज़ा आता होग ना।* मैंने कहा, हाँ, *उन्हें शिव से चुदवाने में बहुत मज़ा आ रहा था। तुम भी शिव से चुदवाओगी।* सिम्मी बोली, *चुदवाना तो है लेकिन अभी नहीं। मैंने तुमसे चुदवाने में बहुत दर्द बर्दाश्त किया है। अभी मैं तुमसे कई बार चुदवाऊँगी और खूब मज़ा लूँगी।* मैंने कहा, *ठीक है।* सिम्मी पूरी तरह से मस्त हो चुकी थी। मैं भी उसे पूरे जोश के साथ चोद रहा था।

Hindi Fonts By: SINSEX

१० मिनट कि चुदाई के बाद सिम्मी फिर से झड़ गयी। उसके साथ ही साथ मैं भी झड़ गया। मैंने अपना लंड उसकी चूत से बाहर नहीं निकाला और उसके ऊपर लेट गया। मैं उसके होठों को चूमने लगा और वो मेरी पीठ को सहलाने लगी। तभी भाभी हमारे पास आयीं। उन्होंने सिम्मी से पूछा, *क्यों सिम्मी, चुदवाने में मज़ा आया।* सिम्मी ने कहा, *हाँ दीदी, बहुत मज़ा आया। पहले तो लग रहा था कि मैं राजू का लंड अंदर नहीं ले पाऊँगी क्योंकि मुझे बहुत दर्द हो रहा था। लेकिन राजू ने बड़ी आसानी से अपना पूरा का पूरा लंड मेरी चूत में घुसेड़ दिया। मुझे थोड़ा सा दर्द जरूर हुआ लेकिन बाद में जो मज़ा आया उसके आगे वो दर्द कुछ भी नहीं था।* भाभी ने पूछा, *शिव से चुदवायेगी।* सिम्मी ने कहा, *अभी नहीं, अभी तो मुझे राजू से चुदवा कर खूब मज़ा लेना है।* भाभी ने सिम्मी से कहा, *ठीक है, खूब मज़ा लो। एक बार राजू से गाँड भी मरवा लेना। गाँड मरवाने में भी बहुत मज़ा आयेगा।* सिम्मी बोली, *मुझे फिर से दर्द होगा।* भाभी ने कहा, *वो तो होगा ही। किसी चीज़ को हासिल करने के लिये मेहनत तो करनी ही पड़ती है ना। एक बार और दर्द बर्दाश्त कर लेना फिर मज़ा ही मज़ा है।* सिम्मी ने कहा, *ठीक है। मैं कोशिश करूँगी।* मैंने भाभी से कहा, *तुम घबराओ मत। अभी तो सारा दिन बाकी है। मैं आज ही सिम्मी की गाँड भी मार दूँगा।* मैंने सिम्मी से पूछा, *क्यों सिम्मी, मुझसे गाँड मरवाओगी ना।* सिम्मी बोली, *राजू, तुमने मुझे इतना मज़ा दिया है कि मैं बता नहीं सकती। तुम मेरी गाँड भी मार लेना।* भाभी मुस्कुराते हुए शिव के साथ बाहर चली गयीं।

दोपहर के ११ बज रहे थे। मैंने फिर से सिम्मी की चुदाई शूरू कर दी। इस बार मैंने उसे लगभग ४५ मिनट तक खूब जम कर चोदा। उसने भी पूरी मस्ती के साथ चुदवाया। दोपहर के १ बजे मैंने फिर से सिम्मी की चुदाई शूरू करी। उसे खूब मज़ा आ रहा था। उझसे चुदवाते समय जब सिम्मी एक बार झड़ गयी तो बोली, *राजू, अब मेरी गाँड में अपना लंड डाल ही दो। मुझे गाँड मरवाने का भी मज़ा चाहिए।* मैंने कहा, *ठीक है।* सिम्मी की चूत के जूस से मेरा लंड एक दम गीला हो चुका था। मैंने सिम्मी की गाँड में अपना लंड घुसाना शूरू कर दिया। सिम्मी को बहुत दर्द हुआ और वो बहुत चीखी और चिल्लाई लेकिन उसने मुझे एक बार भी नहीं रोका। सिम्मी की गाँड बहुत ही टाईट थी। बहुत मेहनत के बाद आखिर मैंने अपना पूरा का पूरा लंड उसकी गाँड में घुसा ही दिया। उसके बाद मैंने उसकी गाँड मरनी शूरू कर दी।

५ मिनट में ही सिम्मी नॉर्मल हो गयी। उसने कहा, *राजू, अब मेरी चूत में लंड डाल कर चोदो।* मैंने अपना लंड उसकी गाँड से निकाल कर उसकी चूत में डाल दिया और

Hindi Fonts By: SNSEX

उसकी चुदाई करने लगा। थोड़ी देर की चुदाई के बाद जब वो फिर से झड़ गयी तो उसने गाँड में लंड डालने को कहा। मैंने उसकी चूत से लंड निकाल कर उसकी गाँड में डाल दिया और बहुत तेजी के साथ उसकी गाँड मारने लगा। इसी तरह सिम्मी बारी-बारी से मेरा लंड अपनी गाँड और चूत में लेती रही। १ घंटे के बाद मैं उसकी गाँड में ही झड़ गया। मैंने पूछा, *कैसा लगा इस बार* उसने कहा, *राजू, इस बार तो और ज्यादा मज़ा आया। अब मैं शिव से चुदवाने के लिये तैयार हूँ। लेकिन उसके पहले तुम १ बार और मेरी गाँड मार दो और १ बार मेरी चूत की चुदाई कर दो। जिससे मेरी चूत और गाँड का मुँह पूरी तरह से खुल जाये और मुझे ज्यादा तकलीफ ना हो।* मैंने कहा, *ठीक है।*

रात के ८ बजे तक मैंने सिम्मी की गाँड १ बार और मारी और १ बार और उसकी चूत की चुदाई की। १० बजे जब मैं सिम्मी की चुदाई कर रहा था और झड़ने ही वाला था तो वो बोली, *राजू, अब शिव को भी बुला लो।* मैंने शिव को बुलाया तो वो आ गया। उसने पूछा, क्या है। मैंने कहा, *सिम्मी तुमसे चुदवाना चाहती है।* वो बोला, *मैं तो इसकी दीदी को चोदने जा रहा था। देखो मेरा लंड भी खड़ा है। मैं बाद में इसे चोद दूँगा नहीं तो भाभी नाराज़ हो जयेंगी।* मैं कुछ कह पाता कि भाभी आ गयी। उन्होंने शिव से कहा, *तुम पहले सिम्मी को ही चोद दो। मैं बाद में चुदवा लूँगी।*

१ मिनट के बाद ही मैं झड़ गया। मेरे हट जाने के बाद शिव सिम्मी के पैरों के बीच आ गया। उसने मुझसे कहा, *राजू, तुम इसका मुँह दबा कर पकड़ लो जिससे मैं इसकी चूत में अपना पूरा का पूरा लंड ४-५ धक्के में ही अंदर कर दूँ।* मैंने सिम्मी के मुँह को दबा कर पकड़ लिया। शिव ने पूरी तकत के साथ बहुत ही जोर-जोर के धक्के लगाने शूरू कर दिये। सिम्मी दर्द के मारे बुरी तरह से तड़पने लगी। उसके मुँह से केवल *गूँ-गूँ* की आवाज़ ही निकल पायी। शिव ने ६ धक्कों में ही पूरा का पूरा लंड सिम्मी की चूत में घुसेड़ दिया। पूरा लंड घुसाने के बाद शिव ने तेजी के साथ सिम्मी की चुदाई शूरू कर दी। थोड़ी देर तक सिम्मी दर्द के मरे तड़पती रही लेकिन फिर धीरे-धीरे शाँत हो गयी।

कुछ देर और चुदवाने के बाद जब सिम्मी झड़ गयी तो उसे मज़ा आने लगा। उसने मेरा हाथ अपने मुँह पर से हटा दिया। सिम्मी के चेहरे पर अब खुशी की झलक साफ दिख रही थी। शिव पूरे जोश के साथ बहुत जोर-जोर के धक्के लगाता हुआ सिम्मी को चोद रहा था। सिम्मी ने भी अब धीरे-धीरे अपने चूत्तड़ उठा-उठा कर शिव का साथ देना

Hindi Fonts By:
SINSEX

शूरू कर दिया था।

१० मिनट की चुदाई के बाद सिम्मी फिर से झड़ने लगी। वो इतनी ज्यादा जोश में आ गयी थी कि झड़ते समय उसने शिव की पीठ पर नाखून से खरोंच लिया। नाखून लगते ही शिव ने एक आह भरी। शिव ने सिम्मी को एक दम आँधी कि तरह से चोदना शूरू कर दिया। सिम्मी ने और तेजी के साथ अपने चूत्तड़ उठाना शूरू कर दिया। भाभी आँखें फाड़े सिम्मी के जोश को देख रही थीं। उन्होंने सिम्मी से कहा, *तु तो चुदवाने में मुझसे भी आगे निकल गयी।* सिम्मी बोली, *दीदी, मुझे इतना मज़ा आ रहा है कि मैं क्या बताऊँ। राजू से चुदवाने में खूब मज़ा आया था लेकिन शिव से चुदवाने में मुझे उस से भी ज्यादा मज़ा आ रहा है।*

थोड़ी देर की चुदाई के बाद सिम्मी फिर से झड़ गयी तो उसने कहा, *शिव, अब तुम अपना लंड बाहर निकाल लो।* शिव बोल, *अभी तो मैं झड़ नहीं पाया हूँ।* वो बोली, *निकालो तो सही।* शिव ने अपना लंड सिम्मी की चूत से बाहर निकाल लिया। सिम्मी ने मुझसे कहा, *राजू तुम ज़रा लेट जाओ।* मैं बेड पर लेट गया। *सिम्मी ने कहा, ऐसे नहीं। तुम अपने पैर ज़मीन पर कर लो।* मैं बेड के किनारे आ गया और मैंने अपने पैर ज़मीन पर कर लिये। सिम्मी मेरी गोद में आ गयी। उसकी पीठ मेरी तरफ़ थी। उसने मेरा लंड अपनी गाँड में डाल लिया और शिव से बोली, *अब तुम सामने से आकर मेरी चुदाई करो।* शिव सिम्मी के सामने आ गया और उसने अपना लंड सिम्मी की चूत में घुसेड़ दिया। उसके बाद शिव ने उसे चोदना शूरू कर दिया। शिव जैसे ही धक्का लगाता तो सिम्मी की गाँड में मेरा लंड और ज्यादा अंदर घुस जाता। इसी तरह सिम्मी चुदवाती रही। भाभी खड़ी हो कर सिम्मी को देख रही थीं।

१५ मिनट कि चुदाई के बाद शिव झड़ गया तो सिम्मी भी उसके साथ ही साथ झड़ गयी। हम दोनों ने अपना लंड बाहर निकाला और हट गये। उस दिन सारी रात सिम्मी ने खूब जम कर चुदवाया और गाँड भी मरवायी। सुबह उसने भाभी से कहा, *दीदी, मुझे बहुत जरूरी काम है, घर जाना है। मुझे ये २४ घँटे हमेशा याद रहेंगे। मैंने आज यहाँ बहुत कुछ पाया है लेकिन उसके लिये मुझे थोड़ा सा खोना भी पड़ा है।* भाभी ने कहा, *क्या खो दिया है तुमने।* उसने कहा, *अपना कुँवारापन।* भाभी हँसने लगी और बोली, *कुँवारापन खोने के बाद ही तो तुझे बहुत कुछ मिला है।* उसने कहा, *हाँ, मैंने जितना खोया है उस से कहीं बहुत ज्यादा पाया भी है। अभी तो मैं जा रही हूँ। मौका मिलते ही मैं इन दोनों से चुदवाने फिर आऊँगी।* इतना कह कर सिम्मी चली गयी।

Hindi Fonts By:
SINSEX

सिम्मी के जाने के बाद शिव ने और मैंने सारा दिन भाभी की चुदाई की और उनकी गाँड भी मारी। शाम को भैया के आने का वक्त हो रहा था। भाभी चिंता में पड़ गयीं। मैंने पूछा, *क्या हुआ।* वो बोली, *मैंने तुमसे और शिव से चुदवा तो लिया। तुम दोनों से चुदवाने के बाद मेरी चूत का मुँह एक दम चौड़ा हो गया है। तुम्हारे भैया जब मुझे चोदेंगे तब उन्हें पता चल जायेगा।* मैंने कहा, *भैया से कह देना कि मैंने तुम्हें जबरदस्ती चोद दिया है।* भाभी बोली, *तुम्हारे भैया तुम पर बहुत नाराज़ होंगे।* मैंने कहा, *तुमने मुझे चोदना सिखाया है और चुदाई का पूरा मज़ा भी दिया है। तुमने मुझसे अपनी छोटी बहन की कुँवारी चूत को भी चुदवा दिया और मुझे कुँवारी चूत का भी मज़ा मिल गया। तुमने मेरे लिये इतना सब किया है। क्या मैं तुम्हारे लिये थोड़ी सी बदनामी नहीं उठा सकता।* भाभी ने कुछ सोचते हुए कहा, *अच्छा ठीक है।*

रात के ९ बजे भैया आ गये। भाभी उनके साथ बेडरूम में चली गयी। रूम में उन दोनों में लड़ाई झगड़ा होने लगा। कुछ देर के बाद वो दोनों बाहर आ गये। भैया ने मुझसे कहा, *जब तुम्हारी भाभी तुम्हारा लंड देख कर अपना होश खो बैठी और तुमसे चोदने के लिए कहने लगी तब क्या तुम्हारी अकल घास चरने गयी थी।* मैं कुछ नहीं बोला। थोड़ी देर मुझे भला–बुरा कहने के बाद भैया शाँत हो गये। उसके बाद हम सबने खाना खाया। खाना खाते समय भैया ने कहा, *जो हुआ, सो हुआ। तुम दोनों मेरी बात कान खोल कर सुन लो। इसके बारे में किसी से कुछ कहना मत।*

सुबह तक सब नॉर्मल हो गया। भैया आफिस चले गये। उनके जाते ही मैं भाभी के गले लग कर रो पड़ा। भाभी ने कहा, *जब तुम मेरे लिये अपने भाई की नाराज़गी सह सकते थे तो क्या मैं तुम्हारे लिये इतना भी नहीं कर सकती थी।* थोड़ी देर के बाद भाभी बोली, *लड़कियों की तरह रोता क्या है। तेरे भैया तो आफिस चले गये। चल अब मेरी चुदाई कर।* उनकी बात सुन कर मैं हँस पड़ा। मेरे साथ ही साथ भाभी भी हँसने लगी। भाभी बोली, *अब तो रास्ता साफ हो चुका है। मेरी चूत तेरे लंड की वजह से चौड़ी हो चुकी है। अब मेरी चूत टाईट थोड़ा ही होगी। अब बिना डर के खूब जम कर मेरी चुदाई कर और मज़ा ले।* मैंने कहा, *क्या तुम्हें मज़ा नहीं चाहिए।* वो बोली, *जब तू मज़ा लेगा तो मुझे अपने आप ही मज़ा मिल जायेगा।*
मैंने भाभी को चोदना शूरू कर दिया। भैया के वापस आने तक मैंने भाभी को ५ बार चोदा। उसके बाद भाभी की चुदाई रोज़ ही होने लगी ।।।।।
समाप्त